सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती-2022

प्रधानाचार्य का प्रतिवेदन

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सम्मानित अतिथि गण, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, प्रिय छात्र एवं छात्राओं

दिव्य विभूति भारत रत्न एवं खंड खंड को जोड़कर जिसने अखंड राष्ट्र के सृजन का भगीरथ प्रयास किया है उन महान शिल्पी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को शत शत नमन। जिन महापुरुष के उदात चरित्र के महनीय गुणों से प्रेरणा ग्रहण कर इस महाविद्यालय की स्थापना एवं नामकरण हुआ उन्हीं की 147वीं जयंती एवं महाविद्यालय का 65वां स्थापना दिवस आज हम इस महाविद्यालय के सुरम्य प्रांगण में समारोह पूर्वक मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। मैं इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार की ओर से आप सभी की गरिमामय उपस्थिति का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं। महाविद्यालय की समृद्ध प्राकृतिक छटा के बीच में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की आदम कद प्रतिमा जहां हमें कर्तव्य और विकास के पथ पर अग्रसर होने के लिए, चारित्रिक दृढ़ता, कर्मठता, संघर्षशीलता, धैर्य, त्याग एवं राष्ट्र की अखंडता के भाव से अजस्र प्रेरणा का स्रोत है वही मुख्य द्वार पर संस्थापक सचिव स्वर्गीय बाबू गुप्त नाथ सिंह की प्रतिमा निस्वार्थ सेवा एवं साहित्य साधना की ओर उन्मुख करती है।

इस पुनीत पर्व पर यह सूचित करते हुए हमें परम संतोष एवं हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हमारा महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकास के स्वर्णिम शिखर को छूने के लिए अपने संपूर्ण सकारात्मक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ अग्रसर है। विगत वर्ष में महाविद्यालय द्वारा आंतरिक स्रोत से आधारभूत संरचना का आवश्यकता के अनुसार जीर्णोद्धार कराया गया। कक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए कक्षा को आधुनिक तकनीक (स्मार्ट क्लास) के माध्यम से सुसज्जित किया गया है जो कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए वर्तमान आधारभूत संसाधन पर्याप्त नहीं है। इस कमी को दूर करने के लिए महाविद्यालय संकल्पित है।

हमारे महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पठन-पाठन की अति उत्तम व्यवस्था है। विभागों के लिए सुविधा संपन्न एवं सुव्यवस्थित कक्षाओं का आवंटन किया गया है। जिसका प्रभाव उच्च कोटि के गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के रूप में परिलक्षित हो रहा है।

यहां पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त बायो-टेक्नोलॉजी एवं बीसीए की कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। आने वाले समय में इनमें सीट बढ़ाने का निर्णय भी लिया गया है। हमारे महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय से अन्य विभागों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए अनुरोध किया गया है।

नालंदा ओपन विश्वविद्यालय के साथ ही यहां पर अब इग्नू के अध्ययन केंद्र की स्थापना हो गई है जिसमें पारंपरिक विषयों के साथ ही साथ अनेक रोजगार परक डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू होने जा रहे हैं। यह प्रयास इस दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्र के उज्जवल भविष्य की प्रबल संभावना की राह में मील का पत्थर साबित होगा। इससे इस क्षेत्र से प्रतिभा पलायन रुकेगा और यह कोर्स छात्रों के लिए उत्कृष्ट विकल्प साबित होंगे।

सीमित संसाधनों के बीच भी हमारे महाविद्यालय में आधुनिक रूप से समृद्ध एवं सुसज्जित पुस्तकालय है। इस वर्ष विभिन्न विभागों की मांगों के अनुरूप 1500 नई किताबों का परिग्रहण पुस्तकालय में किया गया जिससे किताबों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पुस्तकालय के ऑटोमेशन की प्रक्रिया भी प्रगति पर है जोकि ई-पुस्तकालय में रूपांतरित होने की ओर अग्रसर है। इससे लगभग दो लाख पुस्तकों का ऑनलाइन

उपयोग निशुल्क हमारे छात्रों को उपलब्ध होगा। महाविद्यालय के त्रिआयामी शैक्षणिक कार्य, शिक्षा, शोध एवं सामुदायिक विकास में भागीदारी के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की स्थापना हमारी विकास यात्रा को रेखांकित करता है। विकास की श्रृंखला में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'आजाद हिंद फौज, भारतीयों का प्रतिरोध और राष्ट्रीय चेतना' विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन 7 से 8 अप्रैल 2022 को हुआ।

अभी हाल ही में 29 से 30 सितंबर 2022 को भूगोल विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान एवं अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'सांस्कृतिक विरासत: संरक्षण एवं संवर्धन' विषय पर सेमिनार का सफल आयोजन किया गया जिसमें देशभर के विद्वानों का समागम एवं ज्ञान वर्धन हुआ।

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद द्वारा प्रदत्त शोध परियोजना पर यहां कार्य चल रहा है। इसी के साथ ही साथ भूगोल विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली यह वह अन्य संस्थाओं में शोध परियोजनाएं प्रस्तावित हैं जिनके मिलने की पूरी संभावना है।

महाविद्यालय में डॉक्टर अवधेश नारायण सिंह पूर्व सभापति बिहार विधान परिषद द्वारा दी गई अनुदान राशि से महाविद्यालय के प्रयोगशालाओं को समृद्ध एवं सुसज्जित बनाया जा रहा है। नैक हेतु कॉलेज का 5 साल का A.Q.A.R रिपोर्ट भेज दिया गया है।

मनोविज्ञान विभाग के प्रयोगशाला कक्ष की भी पुनर्स्थापना कर दी गई है और उसे सुसज्जित किया जा रहा है। महाविद्यालय की स्वर्णिम उपलब्धियों की श्रृंखला में भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में डॉक्टर अजीत कुमार राय सहायक प्राचार्य, इतिहास विभाग को महात्मा गांधी संस्थान, मोका, मारीशस में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता का अवसर मिलने के साथ ही साथ मॉरीशस के राष्ट्रपति द्वारा भोजपुरी लोक संस्कृति के कार्यों को लेकर उन्हें सम्मानित भी किया गया जोकि महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है।

आकाशवाणी सासाराम द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गुमनाम नायकों की याद में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोजगार परक शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए महाविद्यालय में 'रोजगार सेल' (प्लेसमेंट सेल) की स्थापना की गई। इस सेल द्वारा रोजगार मेले के आयोजन के माध्यम से रोजगार संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ योग्य छात्रों को नियोजित भी किया गया। प्राक् प्रशिक्षण केंद्र में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निशुल्क गुणवत्ता परक कक्षाओं का संचालन हो रहा है जिससे बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। महाविद्यालय में स्थापित सेहत केंद्र के माध्यम से छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जगाई जा रही है। महाविद्यालय में खेल विभाग की पुनर्स्थापना की गई तथा खेल के प्रति छात्रों की सक्रियता बढ़ाने हेतु क्रीडा निदेशक लगातार तत्पर है। उनके कुशल निर्देशन का ही परिणाम है कि हमारी कॉलेज टीम शतरंज एवं क्रिकेट में सराहनीय सफलता प्राप्त कर चैंपियन बनी।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय की एनएसएस एवं एनसीसी इकाई अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छात्रों को राष्ट्रीय सेवा, एकता एवं अनुशासन के लिए प्रशिक्षित कर उनके व्यक्तित्व का विकास किया जा रहा है। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बहुआयामी व्यक्तित्व विकास एवं विषयगत ज्ञान के विकास के लिए सभी विभागों द्वारा मासिक विभागीय सेमिनार, वाद विवाद प्रतियोगिता, हिंदी दिवस, शिक्षक दिवस आदि शिक्षणेतर कार्यक्रम संचालित होते रहते हैं।

नवागंतुक छात्रों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देशों के अनुरूप महाविद्यालय में पहली बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की एक कड़ी के रूप में 'दीक्षारंभ छात्र उत्प्रेरण कार्यक्रम' का सफल आयोजन 10 से 11 अक्टूबर 2022 को किया गया जिसमें छात्रों को अपने परिवेश से परिचित होने एवं गुणवत्ता परक शिक्षा ग्रहण करने के लिए तैयार होने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नवीन अनुप्रयोग स्वरूप मानव की सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य एवं खुशहाल जीवन की संकल्पना हेतु मनोविज्ञान विभाग द्वारा 5 दिवसीय कार्यशाला 'फील हैप्पी: आई एम मास्टर ऑफ माय थाट' 14 से 18 नवंबर 2022 तक होना प्रस्तावित है। बायोटेक विभाग द्वारा मार्च 2023 में एक कार्यशाला प्रस्तावित है।

महाविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक क्रियाकलापों की धमक विश्वविद्यालय के गलियारों तक भी है यहां की उच्च कोटि की टीम भावना एवं कार्यकुशलता लोगों के लिए प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय हो गई है। यह हमारी उत्कृष्ट कार्य संस्कृति की पहचान को रेखांकित करती है।

भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा के रूप में प्रशासनिक भवन, मीटिंग हॉल, इंडोर खेलकूद की व्यवस्था, क्रिकेट स्टेडियम एवं बास्केटबॉल कोर्ट का निर्माण, टूटी हुई चारदीवारी का पुनर्निर्माण, एक भव्य सभागार निर्माण भी प्रस्तावित है। महाविद्यालय का पुस्तकालय वाचनालय के अभाव में अपनी उपयोगिता सिद्ध नहीं कर पा रहा है। अतः ज्ञान के प्राणवायु के रूप में पुस्तकालय का विस्तार, आधुनिकीकरण एवं वाचनालय का निर्माण अपेक्षित एवं प्रस्तावित है। महाविद्यालय में पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षण अधिगम केंद्र की स्थापना हेतु भी प्रयास जारी है। हमने अथक प्रयास किया है कि इस महाविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य के लिए महाविद्यालय की आधारभूत संरचनाओं के विस्तार के साथ साथ इसे अध्ययन अध्यापन के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करना है जोकि आप सभी के सहयोग, शुभकामनाओं एवं आशीर्वाद से ही संभव होगा। अंत में यही कहना चाहता हू यदि आपका साथ रहा, आपका प्यार रहा तो सच में कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होगी। एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सपना उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

जय हिंद, वंदे मातरम।

प्रधानाचार्य

डॉ शंकर प्रसाद शर्मा

Principal
S.V. P. College
Bhabua, Kaimur

सरदार वल्लभभाई पटेल महाविद्यालय

भभुआ, कैमूर।